Worksheet-7 Subject: - Hindi Class: - VIII Teacher: - Mrs. Meera

Name: _____ Class & Sec: _____ Roll No. _____ Date: 24.04.2020

1

भविष्यत्

उद्देश्य

- 'समष्टि से व्यष्टि' की ओर प्रेरित करती इस कविता का मूल उद्देश्य है—अपनी समृद्ध संस्कृति, विरासत और पूर्वजों द्वारा प्रदत्त सत्कर्म-परिणामों की परंपरा को आगे बढ़ाने का संदेश देना।
- पारस्परिक सद्भाव और सहायक प्रवृत्ति को परिपुष्ट करते हुए यथा परिस्थिति—मनसा, वाचा, कर्मणा से देश के लिए सतत प्रतिबद्ध रहना।

किस भाँति जीना चाहिए किस भाँति मरना चाहिए,
सो सब हमें निज पूर्वजों से याद करना चाहिए।
पद-चिह्न उनके यत्नपूर्वक खोज लेना चाहिए,
निज पूर्व-गौरव दीप को बुझने न देना चाहिए॥

© Rachna Sagar Educational Books

आओ, मिलें सब देश-बांधव हार बनकर देश के,
साधक बनें सब प्रेम से सुख-शांतिमय उद्देश्य के।
क्या सांप्रदायिक भेद से है ऐक्य मिट सकता अहो,
बनती नहीं क्या एक माला विविध सुमनों की कहो॥

प्राचीन हों कि नवीन छोड़ो रूढ़ियाँ जो हों बुरी,
बनकर विवेकी तुम दिखाओ हंस जैसी चातुरी।
प्राचीन बातें ही भली हैं यह विचार अलीक है,
जैसी अवस्था हो जहाँ वैसी व्यवस्था ठीक है॥

मुख से न होकर चित्त से देशानुरागी हो सदा,
हैं सब स्वदेशी बंधु उनके दुखभागी हो सदा।
देकर उन्हें साहाय्य भरसक सब विपत्ति व्यथा हरो।
निज दुख से ही दूसरों के दुख को अनुभव करो॥

—मैथिलीशरण गुप्त

© Madhubun Educational Books

शब्दार्थ एवं टिप्पणियाँ (विशिष्ट प्रयोग)

निज	— अपने	**पूर्वजों**	— परबाबा, बाबा, दादा, पुरखे (एनसेस्टर)
पूर्व	— पहले का	**सांप्रदायिक**	— संप्रदाय का (कॉम्यूनल)
ऐक्य	— एकता, मेल	**रूढ़ियाँ**	— पुरानी प्रथाएँ, कुरीतियाँ
अलीक	— बेसिर-पैर, झूठा	**साहाय्य**	— सहायता, मदद, मैत्री
विपत्ति	— कष्ट, मुसीबत	**व्यथा**	— दुख

गृह कार्य

निम्नलिखित शब्दों में 'र' के सही रूप और 'ऋ' की मात्रा लगाकर सही शब्द दोबारा लिखिए—

नरत्य – ……नृत्य……	दरशन – ……	पूरव – ……
शौरय – ……शौर्य……	घ्रणा – ……	टरेड – ……
प्रिथा – ……	प्रकरति – ……	किरमि – ……
रिषि – ……	क्रष्ण – ……	स्रजन – ……

2. **दो-दो पर्यायवाची लिखिए—**

प्रेम – …… ……	सुमन – …… ……
चतुर – …… ……	मुख – …… ……

3. **रंगीन छपे शब्दों के विलोम लिखकर वाक्य पूरे कीजिए—**

क. मैं तुमसे **प्रेम** करता हूँ …… नहीं।

ख. **जन्म** निश्चित है और …… अनिश्चित।

ग. मैंने **देश** …… की यात्राएँ की हैं।

घ. मैं **प्रातः** योग-ध्यान करता हूँ और …… टहलने जाता हूँ।

ङ. **यश** और …… ईश्वर के अधीन हैं।

च. **नवीन** विचारों को धारण करो और …… विचारों का त्याग करो।

छ. हमारे जीवन में **हँसना** और …… तो लगा ही रहता है।

ज. तुम अपने **पक्ष** को मज़बूती के साथ रखो, …… की चिंता मत करो।

Educational Books